

पाठ 1 हरिहर काका (मिथिलेश्वर)

बोध – प्रश्न

प्रश्न 1. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर 1:

(i) संबंध का स्वरूप: कथावाचक और हरिहर काका के बीच बहुत गहरा और आत्मीय संबंध था। कथावाचक हरिहर काका को अत्यंत सम्मान देते थे, और काका भी उन पर पूरा भरोसा करते थे। वे अपनी हर बात बेझिझक उनसे साझा करते थे।

(ii) संबंध के कारण: उनके इस घनिष्ठ संबंध के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण थे:

- पड़ोसी का रिश्ता: कथावाचक और हरिहर काका एक-दूसरे के पड़ोसी थे, जिससे उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं।
- पिता समान स्नेह: हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं थी। वे कथावाचक को बचपन में अपने कंधों पर घुमाया करते थे। उनका स्नेह किसी पिता के प्यार से भी अधिक था, जो इस संबंध को और भी प्रगाढ़ बनाता था।

प्रश्न 2. हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

उत्तर 2:

1. समान स्वार्थ: महंत और हरिहर काका के भाइयों का उद्देश्य एक ही था—हरिहर काका की जमीन पर कब्जा करना। इसके लिए उन्होंने छल-कपट और अन्य गलत तरीकों का सहारा लिया। अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उन्होंने न केवल पारिवारिक रिश्तों की परवाह छोड़ी, बल्कि धार्मिक आस्थाओं का भी तिरस्कार किया। इन्हीं स्वार्थी प्रवृत्तियों के कारण हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक जैसे लगे।
2. हिंसा का सहारा: जमीन के लालच में महंत और हरिहर काका के भाइयों ने उन पर जानलेवा हमला भी किया। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि दोनों के बीच कोई अंतर नहीं है।

प्रश्न 3. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

उत्तर 3:

1. धार्मिक आस्था और ईश्वर पर विश्वास:
गाँववालों की ठाकुरबारी के प्रति गहरी श्रद्धा उनके धार्मिक आस्था और ईश्वर में अटूट विश्वास को दर्शाती है। जब भी गाँव के किसी व्यक्ति की कोई इच्छा पूरी होती है, तो वे इसे ठाकुरजी की कृपा

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

मानते हैं। यह भावना गाँव के लोगों के बीच अपनापन, सहृदयता, और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

2. अंधविश्वास:

गाँव वाले बिना सोचे-समझे ठाकुरबारी के महंतों और साधु-संतों पर विश्वास कर लेते हैं। यह उनके धार्मिक अंधविश्वास को दर्शाता है। हालांकि, समय के साथ इन साधु-संतों की वास्तविकता उजागर हो जाती है, जिससे उनके अंधविश्वास पर सवाल खड़े होते हैं।

प्रश्न 4. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 4:

1. महंत और भाइयों के इरादों को समझना:

हरिहर काका भले ही अनपढ़ थे, लेकिन वे महंत और अपने भाइयों की बातों के पीछे छिपे मकसद को समझने में सक्षम थे। उन्होंने यह महसूस किया कि महंत द्वारा ईश्वर और धर्म के नाम पर की गई बातें और उनके भाइयों द्वारा दिया गया आदर-सत्कार केवल उनकी जमीन हड़पने की कोशिशें थीं। इसी कारण उन्होंने अपनी जमीन उनके नाम करने से इनकार कर दिया।

2. अनुभव से मिली समझदारी:

हरिहर काका ने अपने जीवन में कई ऐसी घटनाएं देखी थीं, जहां संपत्ति दूसरे के नाम करने के बाद लोगों का बुरा हाल हुआ। वे जानते थे कि यदि उन्होंने अपनी संपत्ति दूसरों के नाम कर दी, तो उनका जीवन भी तिरस्कृत हो सकता है। उन्हें यह स्पष्ट था कि संपत्ति हाथ से जाने के बाद, उनकी स्थिति एक उपेक्षित व्यक्ति जैसी हो जाएगी।

इन बातों से यह सिद्ध होता है कि हरिहर काका, भले ही औपचारिक शिक्षा से वंचित थे, लेकिन उनके पास जीवन का गहरा अनुभव और गहरी समझ थी, जो उन्हें दुनिया को बेहतर तरीके से देखने और समझने में मदद करती थी।

प्रश्न 5. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?

उत्तर 5:

(i) हरिहर काका को जबरन ठाकुरबारी ले जाने वाले लोग ठाकुरबारी के साधु-संत और उनके समर्थक थे। वे काका को जबरदस्ती अपनी पीठ पर लादकर ठाकुरबारी ले गए।

(ii) बर्ताव: उन्होंने हरिहर काका के साथ दुर्व्यवहार किया। काका से जबरदस्ती सादे और लिखित कागजों पर अंगूठे के निशान ले लिए और उनकी जमीन अपने नाम करवा ली। इसके अलावा, उन्होंने काका के हाथ-पाँव बाँध दिए और उनके मुँह में कपड़ा ठूस दिया। इसके बाद, काका को एक कमरे में बंद कर दिया और रात के अँधेरे में गुप्त दरवाजे से फरार हो गए।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 6. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

उत्तर 6

(i) अनुचित कार्य: हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की राय दो हिस्सों में बँटी हुई थी। पहले वर्ग के अनुसार, हरिहर काका से उनकी ज़मीन-जायदाद छीनने के लिए जबरन अंगूठे के निशान लेना पूरी तरह से अनुचित था। इन लोगों का मानना था कि साधुओं और डाकुओं में कोई फर्क नहीं रहा, क्योंकि ऐसा कार्य करके उन्होंने साधु-संतों की प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया। इस वर्ग की दृष्टि में, इस घटना के बाद ठाकुरबारी की पवित्रता और महत्त्व समाप्त हो गया था।

(ii) उचित कार्य: दूसरे वर्ग के लोग इस कार्य को धर्म और परमार्थ के लिए उचित मानते थे। उनके अनुसार, धार्मिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कभी-कभी कठोर कदम उठाने पड़ते हैं, भले ही वह चोरों या डाकुओं जैसे प्रतीत हों। उनके विचार से महंत जी ने यह कदम किसी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि एक पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए उठाया था।

प्रश्न 7. कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है?"

उत्तर 7:

(i) अज्ञान की स्थिति

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह सांसारिक मोह-माया में डूबा रहता है और सुख-दुख, आपदा-विपदा तथा हर्ष-उल्लास में दूसरों का साथ चाहता है। इस सामाजिक जीवन के कारण रिश्ते-नाते और संबंध बनते हैं, और परस्पर सहयोग की भावना उन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखती है। यह स्थिति ही मनुष्य के अज्ञान का परिचायक है, और इसी वजह से वह मृत्यु से डरता है।

(ii) ज्ञान की स्थिति

जब मनुष्य यह समझ जाता है कि अधिकतर संबंध केवल स्वार्थ पर आधारित हैं, तब वह मृत्यु का वरण करने के लिए भी तैयार हो सकता है। हरिहर काका की कहानी में यही स्थिति दिखाई देती है। अज्ञान की अवस्था में हरिहर काका अपने भाइयों और उनके परिवार को सुख-दुख का सच्चा साथी मानते थे। लेकिन जब उन्होंने अपनी संपत्ति भाइयों के नाम करने से इनकार किया, तो उनके भाइयों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इससे हरिहर काका को यह ज्ञान हो गया कि उनके रिश्ते स्वार्थ और लोभ से प्रेरित हैं।

इस ज्ञान के बाद हरिहर काका के मन में अपने भाइयों के प्रति अनासक्ति का भाव जाग उठा। उन्होंने यह समझा कि ऐसा जीवन जीने से बेहतर है कि मृत्यु को स्वीकार कर लिया जाए। उनके विचार में, जीवनभर घुट-घुटकर जीने से एक बार मृत्यु को गले लगाना अधिक श्रेष्ठ है।

प्रश्न 8. समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर 8:

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

1. रिश्तों का योगदान:

समाज में रिश्ते लोगों को आपस में जोड़ने का एक मजबूत माध्यम होते हैं। रिश्तों के माध्यम से हम एक-दूसरे के सुख-दुख, खुशी-गम और चुनौतियों में साथ खड़े रहते हैं। ये हमें सहानुभूति, सहयोग और समर्पण का पाठ सिखाते हैं, जो समाज को और भी सुदृढ़ बनाता है।

2. समाज का आधार:

रिश्ते ही किसी समाज की नींव रखते हैं। ये न केवल भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करते हैं, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण में भी सहायक होते हैं। जब रिश्ते सशक्त और सकारात्मक होते हैं, तो समाज में सामंजस्य और एकता का वातावरण बना रहता है।

निष्कर्ष:

रिश्तों के बिना समाज की कल्पना करना कठिन है। ये हमारे जीवन और समाज दोनों को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, रिश्तों को सम्मान और स्नेह के साथ संजोना अत्यंत आवश्यक है।

प्रश्न 9. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे?

उत्तर 9:

1. सेवा और सहानुभूति: यदि हमारे आसपास कोई हरिहर काका जैसी स्थिति में हो, तो हम उसे अपने परिवार के सदस्य के रूप में अपनाएंगे और उसकी हर संभव सहायता करेंगे। हमारा लक्ष्य होगा कि उसके प्रति ऐसा व्यवहार करें, जिससे समाज में घटती आपसी विश्वास और सद्भावना की भावना को पुनर्जीवित किया जा सके।
2. प्रेम और आदर का भाव: ऐसे व्यक्ति के साथ प्रेम और सम्मान का व्यवहार करना हमारी प्राथमिकता होगी। हम यह उदाहरण प्रस्तुत करेंगे कि रिश्ते केवल स्वार्थ पर नहीं, बल्कि विश्वास और स्नेह पर आधारित होते हैं। हमारा सकारात्मक व्यवहार उसे यह महसूस करा सकता है कि सच्चे संबंध मानवीय गुणों पर आधारित होते हैं, न कि केवल जन्मजात या औपचारिक रिश्तों पर।

प्रश्न 10. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर 10- (i) मीडिया की भूमिका

मीडिया समाज में व्याप्त बुराइयों और असमानताओं को उजागर करने का एक प्रभावी माध्यम है। यह अत्याचार, अनाचार और धर्म के नाम पर होने वाले अनैतिक कार्यों को सामने लाता है। मीडिया के माध्यम से सरकार और समाज का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकर्षित होता है और इससे दोषी व्यक्तियों को सजा दिलवाने में मदद मिलती है।

(ii) हरिहर काका की स्थिति

यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया की पहुँच होती, तो उनकी स्थिति शायद इतनी बुरी नहीं होती। उनके भाई या महंत इस प्रकार के अनैतिक कार्य करने से पहले अपनी सजा के बारे में अवश्य सोचते। अगर वे ऐसा करते

भी, तो मीडिया उनके मामले को उजागर करता और क्षेत्र के सम्मानित लोगों का ध्यान आकर्षित करता। इससे हरिहर काका को मदद मिलने की संभावना होती।

पाठ 1: हरिहर काका (मिथिलेश्वर) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1: हरिहर काका की संपत्ति के प्रति परिवार के अन्य सदस्यों का दृष्टिकोण कैसा था?

उत्तर: हरिहर काका की संपत्ति के प्रति परिवार के अन्य सदस्यों का दृष्टिकोण स्वार्थपूर्ण था। वे केवल उनकी ज़मीन और पैसे में रुचि रखते थे, न कि उनके स्वास्थ्य या भावनाओं में। वे उनकी सेवा केवल इसलिए करते थे ताकि संपत्ति पर अपना अधिकार जमा सकें। उनके मन में कोई सच्चा प्रेम या सम्मान नहीं था। जैसे ही हरिहर काका ने ज़मीन देने से इनकार किया, सभी उनके विरोधी बन गए।

प्रश्न 2: हरिहर काका ने अपनी ज़मीन क्यों नहीं दी?

उत्तर: हरिहर काका ने अपनी ज़मीन इसलिए नहीं दी क्योंकि उन्हें अपने भाइयों और भतीजों के स्वार्थपूर्ण व्यवहार का आभास हो गया था। वे समझ गए थे कि सभी उनकी सेवा केवल ज़मीन के लोभ में कर रहे थे। उन्होंने आत्मसम्मान और स्वाभिमान के लिए ज़मीन न देने का निश्चय किया। वे अपने अधिकारों को लेकर सजग थे और चाहते थे कि लोग उन्हें भी इंसान समझें, सिर्फ ज़मीन का मालिक नहीं।

प्रश्न 3: हरिहर काका की कहानी समाज को क्या संदेश देती है?

उत्तर: हरिहर काका की कहानी समाज को यह संदेश देती है कि बुजुर्गों का सम्मान केवल संपत्ति के लिए नहीं, बल्कि उनके अनुभव, योगदान और इंसानियत के आधार पर होना चाहिए। यह कहानी पारिवारिक स्वार्थ, बुजुर्गों के प्रति उपेक्षा और संपत्ति के कारण टूटते रिश्तों की सच्चाई को उजागर करती है। इससे यह भी सीख मिलती है कि आत्मसम्मान सबसे बड़ी पूंजी है और उसका त्याग नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 4: लेखक यतींद्र मिश्र ने हरिहर काका के माध्यम से किस सामाजिक समस्या को उजागर किया है?

उत्तर: यतींद्र मिश्र ने हरिहर काका के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति समाज और परिवार के बदलते दृष्टिकोण को उजागर किया है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे संपत्ति के कारण परिवारजन अपने ही वृद्ध सदस्य का तिरस्कार करने लगते हैं। यह कहानी पारिवारिक स्वार्थ, नैतिक पतन और बुजुर्गों के अधिकारों की अनदेखी की आलोचना करती है। यह समाज को आत्मचिंतन करने के लिए प्रेरित करती है।

प्रश्न 5: हरिहर काका की स्वतंत्रता की भावना को आप किस प्रकार समझते हैं?

उत्तर: हरिहर काका की स्वतंत्रता की भावना अत्यंत मजबूत और प्रेरणादायक थी। उन्होंने अपने आत्मसम्मान को प्राथमिकता दी और ज़मीन के लोभी परिजनों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। वे जानते थे कि यदि उन्होंने दबाव में आकर ज़मीन दे दी, तो उनका अस्तित्व मिट जाएगा। उनकी यह भावना बताती है कि भले ही कोई वृद्ध हो, लेकिन उसकी सोच और निर्णय की स्वतंत्रता को नकारा नहीं जा सकता।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 6: पंचायत और समाज की भूमिका हरिहर काका के जीवन में क्या रही?

उत्तर: पंचायत और समाज की भूमिका हरिहर काका के जीवन में नकारात्मक रही। जब हरिहर काका ने ज़मीन देने से मना कर दिया, तो पंचायत और समाज ने भी परिवार का साथ दिया और हरिहर काका को गलत ठहराया। यह दिखाता है कि समाज में नैतिकता की जगह स्वार्थ हावी हो गया है। पंचायत ने न्याय करने के बजाय सामाजिक दबाव में गलत निर्णय दिया, जिससे हरिहर काका और अधिक अकेले हो गए।

प्रश्न 7: हरिहर काका का व्यवहार परिवार के साथ बदल क्यों गया?

उत्तर: हरिहर काका का व्यवहार परिवार के साथ इसलिए बदल गया क्योंकि उन्होंने परिजनों के स्वार्थ को पहचान लिया था। पहले वे परिवार की सेवा से संतुष्ट थे, लेकिन जब ज़मीन की रजिस्ट्री का दबाव बढ़ा और सम्मान की जगह स्वार्थ ने ले ली, तब उन्होंने दूरी बनानी शुरू कर दी। उनके भीतर असंतोष और आक्रोश पनपने लगे, जिसने उनके व्यवहार को कठोर बना दिया।

प्रश्न 8: हरिहर काका ने मंदिर में शरण क्यों ली?

उत्तर: हरिहर काका ने मंदिर में शरण ली क्योंकि वे अपने ही घर में अपमानित और असुरक्षित महसूस करने लगे थे। परिवार ने उन पर ज़मीन रजिस्ट्री का दबाव डाला और उनके विचारों को अनसुना कर दिया। उन्हें वहां मानसिक शांति और स्वतंत्रता मिली। मंदिर उनके लिए सामाजिक न्याय और अपने अस्तित्व की रक्षा का स्थान बन गया।

प्रश्न 9: हरिहर काका का संघर्ष किस प्रकार प्रेरणादायक है?

उत्तर: हरिहर काका का संघर्ष इसलिए प्रेरणादायक है क्योंकि उन्होंने अकेले पूरे परिवार और समाज के दबाव का साहसपूर्वक सामना किया। उन्होंने आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और किसी भी दबाव के सामने झुके नहीं। उनकी दृढ़ता और आत्मबल यह सिखाते हैं कि व्यक्ति को अन्याय के सामने झुकना नहीं चाहिए, चाहे वह बुजुर्ग ही क्यों न हो।

प्रश्न 10: यतींद्र मिश्र की लेखन शैली की एक विशेषता बताइए जो इस पाठ में दिखती है।

उत्तर: यतींद्र मिश्र की लेखन शैली की विशेषता यह है कि वह सामाजिक यथार्थ को संवेदनशीलता और गहराई से प्रस्तुत करते हैं। 'हरिहर काका' पाठ में उन्होंने साधारण ग्रामीण परिवेश के माध्यम से बड़े सामाजिक मुद्दों जैसे बुजुर्गों की उपेक्षा, पारिवारिक स्वार्थ और नैतिक पतन को सजीव रूप में दिखाया है। उनकी भाषा सहज, व्यंग्यात्मक और पाठकों को सोचने पर मजबूर करने वाली है।

प्रश्न 11: पाठ में धार्मिकता का जो चित्रण हुआ है, वह किस प्रकार की सामाजिक आलोचना करता है?

उत्तर: पाठ में धार्मिकता का चित्रण समाज में व्याप्त दिखावटी धार्मिकता की आलोचना करता है। परिवार के लोग मंदिर में दान-दक्षिणा देकर धर्म के प्रति श्रद्धा दिखाते हैं, लेकिन अपने ही परिवार के बुजुर्गों को अपमानित करते हैं। यह दिखाता है कि लोग धार्मिक कर्मकांड को महत्व देते हैं, परंतु असली धर्म—सम्मान, सेवा और करुणा—को भूल चुके हैं।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 12: क्या हरिहर काका को संपत्ति देने से इनकार करना उचित था?

उत्तर: हाँ, हरिहर काका का संपत्ति देने से इनकार करना बिल्कुल उचित था। उन्होंने देखा कि परिवारजन केवल स्वार्थवश उनका ख्याल रख रहे हैं और ज़मीन हड़पना चाहते हैं। ऐसे में उन्होंने आत्मनिर्णय लिया और ज़मीन अपने पास रखी। यह निर्णय उनके आत्मसम्मान और अधिकार की रक्षा करता है, जो प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक हक है।

प्रश्न 13: क्या हरिहर काका के परिवार के सदस्य अपने व्यवहार को सुधार सकते थे?

उत्तर: हाँ, यदि हरिहर काका के परिवार के सदस्य समय रहते अपने स्वार्थपूर्ण व्यवहार को समझते और सच्चे मन से उनकी सेवा करते, तो स्थिति भिन्न होती। उन्हें हरिहर काका को सिर्फ संपत्ति के रूप में नहीं, बल्कि परिवार के बुजुर्ग सदस्य के रूप में सम्मान देना चाहिए था। इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते और कोई संघर्ष नहीं होता।

प्रश्न 14: पाठ में 'स्वतंत्रता' का क्या महत्व है?

उत्तर: पाठ में 'स्वतंत्रता' का महत्व अत्यधिक है। हरिहर काका अपने विचार, निर्णय और जीवन के स्वामी स्वयं बनना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनके फैसले पर हावी हो। उनकी स्वतंत्रता की भावना दर्शाती है कि आत्मनिर्णय का अधिकार किसी भी उम्र में व्यक्ति से नहीं छीना जाना चाहिए। यह पाठ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की रक्षा का संदेश देता है।

प्रश्न 15: हरिहर काका के व्यक्तित्व की दो प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर: हरिहर काका के व्यक्तित्व की दो प्रमुख विशेषताएं हैं: आत्मसम्मान और साहस। वे अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए पूरे परिवार और समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। दूसरी ओर, उनका साहस यह दिखाता है कि वे अकेले ही अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हैं, चाहे परिणाम कुछ भी हो। ये गुण उन्हें विशेष बनाते हैं।

प्रश्न 16: क्या हरिहर काका को परिवार से अलग हो जाना चाहिए था?

उत्तर: यह हरिहर काका का कठिन लेकिन सोच-समझकर लिया गया निर्णय था। परिवार के लोगों ने उन्हें केवल एक ज़मीन के मालिक के रूप में देखा, न कि एक सजीव व्यक्ति के रूप में। जब सम्मान और अपनापन खत्म हो गया, तब उनका अलग होना स्वाभाविक था। यह निर्णय आत्मसम्मान की रक्षा के लिए जरूरी था।

प्रश्न 17: 'हरिहर काका' कहानी में बुजुर्गों की स्थिति पर क्या प्रकाश डाला गया है?

उत्तर: 'हरिहर काका' कहानी में यह दिखाया गया है कि कैसे समाज और परिवार बुजुर्गों को केवल उपयोगिता की दृष्टि से देखते हैं। जब तक उनसे लाभ होता है, वे सम्मानित रहते हैं, लेकिन जैसे ही वे स्वार्थ के खिलाफ खड़े होते हैं, उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता है। यह कहानी बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय की सशक्त अभिव्यक्ति है।

प्रश्न 18: पाठ के अंत से हमें क्या सीख मिलती है?

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

उत्तर: पाठ के अंत से हमें यह सीख मिलती है कि व्यक्ति को किसी भी हाल में अपने आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। समाज और परिवार जब अपने स्वार्थ के लिए किसी को दबाने लगते हैं, तो उसका विरोध जरूरी है। हरिहर काका ने यह साहसिक कदम उठाया और पाठकों को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा दी।

प्रश्न 19: क्या हरिहर काका की स्थिति सभी बुजुर्गों जैसी है?

उत्तर: हर बुजुर्ग की स्थिति हरिहर काका जैसी नहीं होती, लेकिन बहुत से मामलों में ऐसा ही होता है। विशेषकर ग्रामीण और संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों को संपत्ति का माध्यम समझा जाता है। जब वे विरोध करते हैं, तो उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। यह कहानी ऐसे बुजुर्गों की आवाज़ बनती है जो चुपचाप अन्याय सहते हैं।

प्रश्न 20: हरिहर काका के अनुभवों से युवा पीढ़ी को क्या सीखना चाहिए?

उत्तर: हरिहर काका के अनुभवों से युवा पीढ़ी को सीखना चाहिए कि बुजुर्गों का सम्मान केवल लाभ के लिए नहीं, बल्कि उनके अनुभव और योगदान के कारण होना चाहिए। उन्हें आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी बनाए रखना चाहिए। हमें यह भी सीखना चाहिए कि बुजुर्गों की स्वतंत्रता, भावना और निर्णयों का आदर करना एक सामाजिक कर्तव्य है।

प्रश्न 21: हरिहर काका ने किस प्रकार सामाजिक न्याय की स्थापना की?

उत्तर: हरिहर काका ने सामाजिक न्याय की स्थापना अपने अधिकारों की रक्षा करके की। उन्होंने पंचायत और समाज के दबाव को स्वीकार नहीं किया और अपने निर्णय पर अडिग रहे। यह दर्शाता है कि न्याय केवल बहुमत या समाज की मान्यता से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आत्मबल और सत्य पर आधारित होता है। उनका यह साहस समाज के लिए एक उदाहरण है।

प्रश्न 22: लेखक ने हरिहर काका को कथा का केंद्र बिंदु क्यों बनाया?

उत्तर: लेखक ने हरिहर काका को कथा का केंद्र इसलिए बनाया क्योंकि वे उस मानसिक, सामाजिक और नैतिक संघर्ष के प्रतीक हैं, जो हर बुजुर्ग झेलता है। उनके माध्यम से लेखक ने समाज में बुजुर्गों की स्थिति, पारिवारिक स्वार्थ और आत्मसम्मान जैसे विषयों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया है। हरिहर काका जैसे पात्र पाठकों को सोचने पर मजबूर करते हैं।

प्रश्न 23: क्या हरिहर काका का अकेलापन उनकी मजबूरी था?

उत्तर: नहीं, हरिहर काका का अकेलापन उनकी मजबूरी नहीं, बल्कि उनका चुनाव हुआ रास्ता था। उन्होंने यह तय किया कि वे स्वार्थी संबंधों में बंधकर अपमान नहीं सहेंगे। उन्होंने अकेले रहना पसंद किया, क्योंकि वह आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहते थे। यह उनका साहसी निर्णय था, जो उन्हें आत्मबल और स्वतंत्रता प्रदान करता है।

प्रश्न 24: पाठ में 'धर्म' की परिभाषा किस रूप में प्रस्तुत की गई है?

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

उत्तर: पाठ में 'धर्म' की परिभाषा केवल पूजा-पाठ और मंदिर में दान तक सीमित नहीं है। लेखक ने दिखाया है कि सच्चा धर्म करुणा, सम्मान और इंसानियत में निहित होता है। हरिहर काका को अपमानित करना और फिर धार्मिकता का दिखावा करना एक पाखंड है। यह पाठ सिखाता है कि धर्म का पालन बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि व्यवहार और संवेदनशीलता से होता है।

प्रश्न 25: 'हरिहर काका' कहानी में संघर्ष की प्रमुख वजह क्या थी?

उत्तर: 'हरिहर काका' कहानी में संघर्ष की प्रमुख वजह पारिवारिक स्वार्थ और संपत्ति का लोभ था। जब हरिहर काका ने अपनी ज़मीन देने से मना कर दिया, तब परिवार ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यह संघर्ष आत्मसम्मान और स्वार्थ के बीच था, जिसमें हरिहर काका ने अपने आत्मसम्मान को नहीं छोड़ा। यह संघर्ष समाज की सच्चाई को उजागर करता है।

प्रश्न 26: हरिहर काका के चरित्र में विरोधाभास क्यों दिखाई देता है?

उत्तर: हरिहर काका के चरित्र में विरोधाभास इसलिए दिखाई देता है क्योंकि एक ओर वे सरल, सहयोगी और परिवार के प्रति समर्पित थे, वहीं दूसरी ओर जब स्वार्थ सामने आया, तो वे कठोर, विद्रोही और अडिग बन गए। यह विरोधाभास उनके बदलते अनुभवों और परिस्थिति के कारण है। उनके चरित्र का यह द्वंद्व दिखाता है कि जब व्यक्ति का आत्मसम्मान आहत होता है, तो वह चुप नहीं रहता, भले ही वह पहले कितना भी शांत स्वभाव का क्यों न रहा हो।

प्रश्न 27: कहानी में लेखक ने पंचायत की भूमिका को किस प्रकार चित्रित किया है?

उत्तर: लेखक ने पंचायत की भूमिका को तटस्थ और थोड़ी पक्षपाती दृष्टि से चित्रित किया है। पंचायत सामाजिक न्याय का माध्यम मानी जाती है, लेकिन कहानी में वह परिवार के दबाव और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर हरिहर काका को मनाने का प्रयास करती है। इससे स्पष्ट होता है कि पंचायत भी कभी-कभी समाज के प्रभाव में आकर निष्पक्ष निर्णय नहीं ले पाती। यह स्थिति समाज में न्याय प्रणाली की सीमाओं को दर्शाती है।

प्रश्न 28: 'हरिहर काका' पाठ में आत्मनिर्णय का क्या महत्व है?

उत्तर: 'हरिहर काका' पाठ में आत्मनिर्णय का अत्यधिक महत्व है। हरिहर काका अपने जीवन से जुड़ा अंतिम निर्णय स्वयं लेते हैं, चाहे वह संपत्ति के बारे में हो या अपने रहने के स्थान के बारे में। वे किसी के दबाव में नहीं आते। इससे यह सिखाया गया है कि व्यक्ति को अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने चाहिए और दूसरों के स्वार्थ के कारण अपने विचारों से समझौता नहीं करना चाहिए। आत्मनिर्णय ही सच्ची स्वतंत्रता का प्रतीक है।

प्रश्न 29: हरिहर काका की कहानी आज के समाज के लिए क्यों प्रासंगिक है?

उत्तर: हरिहर काका की कहानी आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि आज भी अनेक बुजुर्ग पारिवारिक उपेक्षा और संपत्ति के लालच का शिकार हो रहे हैं। यह कहानी हमें आत्मसम्मान, बुजुर्गों के अधिकार, और स्वार्थपूर्ण संबंधों की सच्चाई समझने का अवसर देती है। आज के दौर में यह कहानी एक चेतावनी की तरह है कि परिवार केवल संबंधों से नहीं, संवेदनाओं से चलता है।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 30: 'हरिहर काका' कहानी हमें समाज के प्रति क्या संदेश देती है?

उत्तर: 'हरिहर काका' कहानी समाज को यह संदेश देती है कि बुजुर्गों के साथ केवल स्वार्थ से नहीं, बल्कि प्रेम, आदर और करुणा से व्यवहार किया जाना चाहिए। समाज में जब बुजुर्गों की अनदेखी होने लगती है, तब संबंध टूटने लगते हैं। यह कहानी आत्मसम्मान, न्याय और पारिवारिक मूल्यों की रक्षा करने का संदेश देती है और समाज को संवेदनशील बनने की प्रेरणा देती है।

प्रश्न 31: 'हरिहर काका' के माध्यम से लेखक ने समाज की कौन-सी सच्चाइयों को उजागर किया है?

उत्तर: 'हरिहर काका' कहानी के माध्यम से लेखक ने परिवार, समाज और धर्म की स्वार्थी प्रवृत्तियों को उजागर किया है। हरिहर काका एक ऐसे वृद्ध हैं जिन्हें उनके अपने ही भाई ज़मीन के लोभ में धोखा देना चाहते हैं। गाँव के पंडित, धर्म और भक्ति के नाम पर उनका भावनात्मक शोषण करते हैं। लेखक ने दिखाया है कि कैसे वृद्ध व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध निर्णय लेने को विवश किया जाता है।

प्रश्न 32: हरिहर काका अपने भाइयों से नाराज़ क्यों हो जाते हैं?

उत्तर: हरिहर काका अपने भाइयों से नाराज़ इसलिए हो जाते हैं क्योंकि वे उन्हें केवल संपत्ति का स्वामी समझते हैं, परंतु उनके सुख-दुख में सहभागी नहीं होते। भाइयों का व्यवहार केवल स्वार्थ से प्रेरित होता है। जब हरिहर काका बीमार पड़ते हैं, तो उनकी देखभाल ठीक से नहीं होती, और ज़मीन उनके नाम से हड़पने की कोशिश की जाती है। इस कारण उनका अपने परिवार से विश्वास उठ जाता है।

प्रश्न 33: धर्म और आस्था का कैसा चित्रण लेखक ने 'हरिहर काका' में किया है?

उत्तर: लेखक ने 'हरिहर काका' में धर्म और आस्था का व्यंग्यपूर्ण चित्रण किया है। कहानी में धर्म के ठेकेदार मंदिर के लिए ज़मीन दान करवाने के उद्देश्य से हरिहर काका पर मानसिक और भावनात्मक दबाव बनाते हैं। पंडित धर्म के नाम पर छल करते हैं और भक्तिभाव का नाटक करते हैं। लेखक ने दिखाया है कि कैसे धर्म का उपयोग अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए किया जाता है।

प्रश्न 34: हरिहर काका का चरित्र आपको कैसा लगा? उनका विद्रोह क्या दर्शाता है?

उत्तर: हरिहर काका का चरित्र साहसी, आत्मसम्माननी और सचेत नागरिक का प्रतीक है। वे सामाजिक और पारिवारिक अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाते हैं। उनका विद्रोह इस बात का संकेत है कि बुजुर्गों के साथ भले ही अन्याय हो, लेकिन यदि वे चाहें तो आवाज़ उठाकर अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं। उनका विद्रोह सामाजिक जागरूकता और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1: कहानी में परिवार का रवैया बुजुर्ग सदस्य के प्रति कैसा रहा?

उत्तर: परिवार ने बुजुर्ग सदस्य की सेवा करने के बजाय उनकी संपत्ति को लेकर स्वार्थ दिखाया। उनकी भावनाओं की उपेक्षा की गई और केवल कानूनी अधिकारों के लिए उन्हें दबाव में लाया गया, जिससे उनका भरोसा टूट गया।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 2: गांव वालों की भूमिका कथा में क्या रही?

उत्तर: गांव वाले शुरू में तटस्थ रहे, लेकिन बाद में धार्मिक और सामाजिक दबाव के रूप में बुजुर्ग पर प्रभाव डालने लगे। उन्होंने नैतिक समर्थन देने की बजाय, परंपरा और सामाजिक व्यवस्था का पक्ष लिया।

प्रश्न 3: पात्र ने अपने अधिकारों की रक्षा कैसे की?

उत्तर: पात्र ने सामाजिक और पारिवारिक दबावों का डटकर विरोध किया। उन्होंने अपने निर्णयों में दृढ़ता दिखाई और किसी के दबाव में आकर संपत्ति देने से मना कर दिया, जिससे आत्मसम्मान की भावना प्रकट हुई।

प्रश्न 4: धार्मिक स्थान का प्रयोग कथा में किस उद्देश्य से हुआ?

उत्तर: धार्मिक स्थान का उपयोग पात्र को मानसिक रूप से तोड़ने और सामाजिक रूप से शर्मिंदा करने के लिए किया गया। इसका उद्देश्य उन्हें दबाव में लाकर संपत्ति पर अधिकार पाने का था।

प्रश्न 5: संपत्ति को लेकर परिवार में तनाव क्यों उत्पन्न हुआ?

उत्तर: संपत्ति पर सभी का स्वार्थ जुड़ा था। परिवार चाहता था कि वह लिखित रूप से उन्हें सौंप दी जाए, जबकि पात्र स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना चाहते थे। इस असहमति ने तनाव को जन्म दिया।

प्रश्न 6: कहानी में स्वाभिमान का क्या महत्व है?

उत्तर: स्वाभिमान ने पात्र को दूसरों के दबाव में झुकने से रोका। उन्होंने यह साबित किया कि आत्मसम्मान किसी भी पारिवारिक या सामाजिक दबाव से अधिक मूल्यवान होता है।

प्रश्न 7: क्या पंचायत निष्पक्ष भूमिका निभा पाई?

उत्तर: पंचायत की भूमिका आंशिक रूप से पक्षपातपूर्ण रही। उन्होंने समाज की परंपराओं और बड़े लोगों के प्रभाव में आकर निर्णय देने की कोशिश की, जिससे न्याय अधूरा रह गया।

प्रश्न 8: कथा का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: कहानी यह सिखाती है कि बुजुर्गों के साथ आदर और संवेदना से व्यवहार करना चाहिए, न कि स्वार्थ और दबाव से। आत्मसम्मान और स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार सबको होना चाहिए।

प्रश्न 9: लेखक ने परिवार की स्वार्थी प्रवृत्ति कैसे दर्शाई?

उत्तर: लेखक ने दिखाया कि कैसे सदस्य सेवा के पीछे छिपे स्वार्थ के साथ व्यवहार करते हैं। वे केवल संपत्ति को लेकर चिंतित हैं, न कि उस व्यक्ति के प्रति जिनके पास संपत्ति है।

प्रश्न 10: स्वतंत्र निर्णय क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: स्वतंत्र निर्णय व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। यह सामाजिक दबावों से मुक्त रखता है और जीवन में सम्मान और संतोष बनाए रखने में मदद करता है।

प्रश्न 11: क्या कहानी में बुजुर्ग पात्र अकेला पड़ गया था?

उत्तर: हाँ, जब स्वार्थ सामने आया तो परिवार और समाज दोनों ने उसे अकेला छोड़ दिया। केवल संपत्ति मिलने तक ही उसे महत्व दिया गया, उसके बाद उसे नजरअंदाज किया गया।

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

प्रश्न 12: कथा में सबसे बड़ा अन्याय क्या था?

उत्तर: सबसे बड़ा अन्याय था बुजुर्ग की भावनाओं और आत्मसम्मान की उपेक्षा। उन्हें केवल एक संपत्ति के मालिक के रूप में देखा गया, न कि एक संवेदनशील व्यक्ति के रूप में।

प्रश्न 13: क्या सामाजिक रीति-रिवाज सकारात्मक भूमिका निभाते हैं?

उत्तर: कभी-कभी रीति-रिवाज सकारात्मक होते हैं, लेकिन इस कहानी में उन्हें व्यक्ति को मानसिक रूप से दबाने और सामाजिक अपमान के रूप में प्रयोग किया गया, जो नकारात्मक प्रभाव डालता है।

प्रश्न 14: बुजुर्गों की उपेक्षा के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं?

उत्तर: जब बुजुर्गों की उपेक्षा होती है, तो समाज से विश्वास उठने लगता है। इससे पारिवारिक बिखराव, मानसिक तनाव और सामाजिक मूल्यों में गिरावट आती है।

प्रश्न 15: कथा में युवा पीढ़ी का दृष्टिकोण कैसा रहा?

उत्तर: युवा पीढ़ी संपत्ति को लेकर अत्यधिक लालची दिखाई गई। उन्होंने बुजुर्ग के निर्णयों का सम्मान नहीं किया और केवल आर्थिक लाभ को प्राथमिकता दी।

प्रश्न 16: आत्मसम्मान की भावना कैसे जागृत होती है?

उत्तर: जब व्यक्ति बार-बार अपमानित होता है, तब उसके अंदर आत्मसम्मान की भावना प्रबल हो जाती है। वह अन्याय के विरुद्ध खड़ा होकर अपने अधिकारों की रक्षा करता है।

प्रश्न 17: कथा में भावनात्मक शोषण कैसे दर्शाया गया?

उत्तर: पात्र को कभी सेवा के नाम पर, तो कभी रिश्तों के नाम पर भावनात्मक रूप से कमजोर करने की कोशिश की गई, ताकि वह दूसरों की बातों में आकर संपत्ति सौंप दे।

प्रश्न 18: समाज की चुप्पी का क्या संकेत मिलता है?

उत्तर: समाज की चुप्पी यह दर्शाती है कि जब तक उन्हें स्वार्थ सिद्ध नहीं होता, वे अन्याय के खिलाफ नहीं बोलते। यह सामाजिक संवेदनहीनता को दर्शाता है।

प्रश्न 19: संपत्ति का असली महत्व क्या होना चाहिए?

उत्तर: संपत्ति का महत्व तभी है जब वह प्रेम और समझ के साथ साझा की जाए। केवल स्वार्थ और लालच से इसे प्राप्त करना रिश्तों को तोड़ता है और सम्मान को खत्म करता है।

प्रश्न 20: लेखक का दृष्टिकोण बुजुर्गों के प्रति कैसा है?

उत्तर: लेखक ने बुजुर्गों के प्रति सहानुभूति और आदर की भावना प्रकट की है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे समाज और परिवार को बुजुर्गों के आत्मसम्मान और अधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

रिक्त स्थान भरें

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

1. हरिहर काका की सबसे बड़ी चिंता उनकी _____ को लेकर थी।
उत्तर: संपत्ति
2. परिवार के सदस्यों ने सेवा के पीछे _____ छिपाया हुआ था।
उत्तर: स्वार्थ
3. हरिहर काका ने अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए _____ का विरोध किया।
उत्तर: दबाव
4. लेखक ने कहानी के माध्यम से _____ व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है।
उत्तर: सामाजिक
5. हरिहर काका के चरित्र में _____ और विद्रोह दोनों की झलक मिलती है।
उत्तर: सहनशीलता
6. परिवार के लोग चाहते थे कि हरिहर काका अपनी संपत्ति _____ कर दें।
उत्तर: उनके नाम
7. हरिहर काका ने अंत में _____ स्थान पर जाकर रहने का निर्णय लिया।
उत्तर: मंदिर
8. कहानी में दिखाया गया है कि बुजुर्गों के साथ व्यवहार में _____ और प्रेम होना चाहिए।
उत्तर: सम्मान
9. पंचायत ने परिवार की बात मानकर _____ डालने की कोशिश की।
उत्तर: दबाव
10. हरिहर काका का चरित्र आत्मनिर्भरता और _____ का प्रतीक है।
उत्तर: आत्मसम्मान

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

- हरिहर काका किस चीज़ को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित थे?
 - a) उम्र
 - b) सेहत
 - c) संपत्ति
 - d) भोजन
 उत्तर: c) संपत्ति

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

- परिवार के लोग हरिहर काका के साथ क्यों अच्छा व्यवहार कर रहे थे?

- a) उन्हें सच्चा प्रेम था
- b) वे उनकी देखभाल करना चाहते थे
- c) उनकी संपत्ति हथियाना चाहते थे
- d) वे डरते थे

उत्तर: c) उनकी संपत्ति हथियाना चाहते थे

- हरिहर काका ने अंत में क्या निर्णय लिया?

- a) संपत्ति बाँट दी
- b) गाँव छोड़ दिया
- c) मंदिर में रहने लगे
- d) माफ़ी माँग ली

उत्तर: c) मंदिर में रहने लगे

- लेखक ने इस कहानी में किस सामाजिक विषय को उठाया है?

- a) शिक्षा व्यवस्था
- b) परिवार में स्वार्थ
- c) राजनीति
- d) स्वास्थ्य

उत्तर: b) परिवार में स्वार्थ

- हरिहर काका का चरित्र किस गुण का प्रतीक है?

- a) लोभ
- b) आत्मसम्मान
- c) भय
- d) दुर्बलता

उत्तर: b) आत्मसम्मान

- हरिहर काका किसके घर में रहते थे?

- a) अपने बेटे के
- b) अपने भतीजे के
- c) अपने मित्र के
- d) पंचायत भवन में

उत्तर: b) अपने भतीजे के

- हरिहर काका के स्वभाव की सबसे बड़ी विशेषता क्या थी?

- a) गुस्सैल
- b) डरपोक

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

c) आत्मसम्माननी

d) लोभी

उत्तर: c) आत्मसम्माननी

- परिवार के लोगों ने हरिहर काका को किस चीज़ से डराने की कोशिश की?

a) बीमारी से

b) संपत्ति के नुकसान से

c) समाज से बहिष्कार की धमकी से

d) पुलिस केस से

उत्तर: c) समाज से बहिष्कार की धमकी से

- हरिहर काका के भाई-बेटे किस उद्देश्य से उनसे व्यवहार कर रहे थे?

a) उनके स्वास्थ्य के लिए

b) धार्मिक कारणों से

c) स्वार्थ और संपत्ति के कारण

d) गाँव की प्रतिष्ठा के लिए

उत्तर: c) स्वार्थ और संपत्ति के कारण

- जब हरिहर काका ने संपत्ति देने से मना कर दिया, तब परिवार ने क्या किया?

a) उन्हें छोड़ दिया

b) उनका सम्मान बढ़ाया

c) पंचायत में शिकायत की

d) उन्हें मारने की कोशिश की

उत्तर: c) पंचायत में शिकायत की

- लेखक की दृष्टि से हरिहर काका का संघर्ष किसका प्रतीक है?

a) सामाजिक समानता

b) राजनीति में गिरावट

c) बुजुर्गों के आत्म-सम्मान का

d) शिक्षा की कमी का

उत्तर: c) बुजुर्गों के आत्म-सम्मान का

- 'हरिहर काका' कहानी का लेखक कौन है?

a) प्रेमचंद

b) यतींद्र मिश्र

c) हरिशंकर परसाई

d) रमेश पोखरियाल

उत्तर: b) यतींद्र मिश्र

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

- हरिहर काका ने किस स्थान को अपनी शरणस्थली बनाया?

- a) नगर पंचायत
- b) मंदिर
- c) अस्पताल
- d) स्कूल

उत्तर: b) मंदिर

- हरिहर काका की संपत्ति को लेकर पंचायत का रुख कैसा था?

- a) निष्पक्ष
- b) हरिहर काका के पक्ष में
- c) परिवार के पक्ष में
- d) विरोध में

उत्तर: c) परिवार के पक्ष में

- 'हरिहर काका' कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

- a) शिक्षा का महत्त्व
- b) बुजुर्गों के साथ न्याय
- c) राजनीतिक भ्रष्टाचार
- d) धार्मिक आस्था

उत्तर: b) बुजुर्गों के साथ न्याय

True or False (सही या गलत)

- हरिहर काका अपनी संपत्ति अपने भतीजों को देना चाहते थे।
उत्तर: गलत
- परिवार के लोग हरिहर काका की सच्चे मन से सेवा करते थे।
उत्तर: गलत
- हरिहर काका ने दबाव में आकर वसीयत कर दी।
उत्तर: गलत
- लेखक ने कहानी में बुजुर्गों की उपेक्षा पर प्रकाश डाला है।
उत्तर: सही
- हरिहर काका ने अंत में मंदिर में जाकर रहने का निर्णय लिया।
उत्तर: सही

Ncert Solutions of Chapter 1 Harihar Kaka (Mithileshwar)

6. हरिहर काका अपने भाइयों के साथ प्रेमपूर्वक रहते थे।
उत्तर: **False**
7. हरिहर काका की संपत्ति को लेकर परिवार के लोग स्वार्थी हो गए थे।
उत्तर: **True**
8. हरिहर काका को मंदिर में शांति और सहारा मिला।
उत्तर: **True**
9. पंचायत ने हरिहर काका के आत्म-सम्मान की रक्षा की।
उत्तर: **False**
10. हरिहर काका ने अंत में अपनी सारी संपत्ति मंदिर को दान कर दी।
उत्तर: **False**
11. हरिहर काका की कहानी वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय को उजागर करती है।
उत्तर: **True**
12. हरिहर काका ने दबाव में आकर संपत्ति का बँटवारा कर दिया।
उत्तर: **False**
13. परिवार ने हरिहर काका के विचारों और भावनाओं को समझा।
उत्तर: **False**
14. हरिहर काका ने किसी के बहकावे में आकर निर्णय नहीं लिया।
उत्तर: **True**
15. लेखक ने हरिहर काका के चरित्र को साहसी और आत्म सम्मानी दिखाया है।
उत्तर: **True**